वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 55 | बुधवार 19 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

तृतीय पुण्यस्मरण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से, पर दिल से दूर नहीं। रूखसत हुए दुनिया से,
लेकिन हम से दूर नहीं हम जब उन्हें याद करते है,
हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं ।।

: श्रद्धावनत :

राकेश-समता गोदिका एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

रोटरी सिटीजन द्वारा राजकीय विद्यालय में बाथरूमों का निर्माण कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा स्थाई प्रोजेक्ट के रूप में राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय दुर्गापुरा में 9 बाथरूमों का निर्माण कराया। क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल ने बताया कि इस विद्यालय में बाथरूम की व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यार्थियों एवम स्टाफ को बड़ी असुविधा होती थी, विद्यालय प्रशासन के अनुरोध पर क्लब ने कुल 9 बाथरूम का निर्माण कराया जिसमे 3 बाथरूम फीमेल छात्रा 4 बाथरूम मेल छात्रो और 2 बाथरूम स्टाफ के लिये बनाये गये। क्लब सचिव कमल बडजात्या ने बताया कि इन बाथरूमों का लोकार्पण आज क्लब के सेवा सप्ताह के चेयरमैन अमित अग्रवाल , चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन और सहायक प्रांतपाल अशोक जैन कॉटलर के द्वारा किया गया। कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बाथरूमों के निर्माण में आर्थिक सहयोग देने के लिए रेणु अग्रवाल और अक्षित ठोलिया का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सदस्य उपस्थिति थे।

कुछ लोग छोटा काम करके छप जाते हैं, बड़े-बड़े काम करने वाला छिप जाता है : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। जो अच्छे समय पर साथ रहता है उसका साथ हमेशा देना चाहिए अगर आप विपत्ति के समय दूर हट जाते है तो ऐसे व्यक्ति का संपूर्ण पुण्य क्षय हो जाता है और उसका पुण्य ऐसा क्षय होता है कि जब उस पर संकट आते है तो उसे आंसू पोंछने वाला भी नहीं मिलता, किसी को दया नही आती इसलिए उपकारी का उपकार कभी नहीं भूलना चाहिए कुछ लोग छोटा काम करके भी छप जाते हैं लेकिन कुछ लोग बड़ा काम करके भी छिप जाते है, कारण- हमने कभी किसी की प्रशंसा नहीं की, किसी ने बहुत अच्छे काम किये लेकिन उसके लिए हम दो शब्द नहीं कह पाए बल्कि ईर्ष्या और की अपने से अधिक गुणवान व्यक्ति को देखकर हमेशा प्रमोद भाव आना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने जिज्ञासा समाधान सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए । इसके पहले दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री विपिन सिंघई, मंत्री विनोद मोदी, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के नेतृत्व में अशोक नगर जैन समाज व थूवोनजी कमेटी के वृहद प्रतिनिधि मंडल ने पथरिया जिला दमोह में विराजमान मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर थूवोनजी में चातुर्मास करने का निवेदन करते अध्यक्ष अशोक टिंगू महामंत्री विपिन सिंघई ने कहाकि वर्षो से पूरा अंचल पलक पांवड़े बिछाकर गुरु देव आपके आगमन की प्रतिक्षा कर रहा हम सब आपके आगमन की आशा में ही काम कर रहे हैं और उम्मीद लगाए हैं कि आपके चरण थूवोनजी में शीघ्र पड़ेंगे ।

जयपुर में भागवत कथा का पांचवा दिन

सीता स्वयंवर में बरसे फूल, मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री गोविंद देवजी के चरणों में समस्त बुढ़वारिया खंडेलवाल परिवार (अलवर वाले) के तत्वावधान में लालगोविंद दास की अमृत वाणी में हो रही 404वी श्रीमद भागवत कथा प्रेमयज्ञ में श्री राम की बाल लीला, राम सीता का स्वयंवर, एवं निर्जला एकादशी महिमा संग श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कथा मे जैसे ही श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग आया पूरा पंडाल हाथी घोडा पालकी जय कन्हैयालाल के जयकारों से गूंज उठा। भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि जब जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब तब परमात्मा अवतार धारण करके धरती पर धर्म की स्थापना करते हैं। कथा व्यास लालगोविंद दास ने विभिन्न प्रसंगों पर अपनी मधुर वाणी और विशेष शैली में सुनाई कथा ' कृष्ण जन्म की कथा के पूर्व भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने आदर्श स्थापित किया है, वह आज भी प्रासंगिक है। राम जन्म, ताड़का वध, राम विवाह, वनवास, रावण वध सहित राम राज्याभिषेक पर सुन्दर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि द्वापर में जब कंस के अत्याचार बढ़े तो श्रीकृष्ण ने अवतार लेकर मुक्ति दिलाई। कथा के दौरान जैसे भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने-नाचने लगे। भगवान श्रीकृष्ण की वेश में नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आ रहे थे। इस अवसर पर महाराज ने कहा कि जब धरती पर चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गई, चारों ओर अत्याचार, अनाचार का साम्राज्य फैल गया तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के आठवें गर्भ के रूप में जन्म लेकर कंस का संहार किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

झुमरी तलैया धर्म नगरी में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर जी महामुनिराज ससंघ का मंगल चातुर्मास दिल्ली में 2023 का संपन्न हुआ । इसके बाद दिल्ली से मंगल विहार जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थ सम्मेदशिखर जी की ओर हुआ रास्ते में प्रयागराज, बनारस गया, ओर कई जैन तीर्थ का दर्शन कर लगभग 2000 किलोमीटर की यात्रा करते हुवे आज धर्म नगरी झुमरीतिलैया में मंगल आगमन हुआ। रास्ते में भीषण गर्मी में भी आचार्य श्री विहार करते हुए चल रहे थे कोडरमा की धरती में आगमन के साथ नगर भ्रमण में समाज के द्वारा रास्ते मे कई जगह चरण वंदन ओर आरती की गई ।

राजेन्द्र के. गोधा ऐसे कर्मयोगी थे जिन्होंने सत्कर्म को ही श्रेयस्कर माना

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाचार जगत के संस्थापक पत्रकार राजेन्द्र के. गोधा आज से तीन वर्ष पूर्व इस नश्वर जगत को अलविदा कह गए थे। उनकी तृतीय पुण्यतिथि पर, हम सभी शोक संतप्त हृदय से उस पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। राजेंद्रजी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई को छुआ था। उनकी लेखनी ने न केवल समाज को जागरूक किया, बल्कि सत्य और न्याय की आवाज को बुलंद किया। वे हमेशा निष्पक्ष, निर्भीक और सटीक पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उनकी उपस्थिति ने हमें सिखाया कि एक सच्चे पत्रकार का कर्तव्य क्या होता है और किस प्रकार अपने काम के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। राजेन्द्र के. गोधा ने मीडिया जगत को पुराने ढर्रे से हट कर सत्य के मार्ग पर चलने की एक नयी दिशा दी। गोधा अपने जीवनकाल में उद्यम, ज्ञान और नैतिकता के प्रतीक बने। उन्होंने शांत और सरल स्वभाव के साथ समाचार पत्र के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनके नेतृत्व में, समाचार पत्र ने न सिर्फ वर्तमान मामलों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया, बल्कि उन्होंने लोगों को स्वतंत्र मनोचिंतन की प्रेरणा भी दी और उन्हें सम-सामयिक मुद्दों के बारे में जागरूक किया। राजेंद्र के गोधा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, उसे शब्दों में बांध पाना कठिन है। उनकी लेखनी में सत्य, साहस और निष्पक्षता की प्रतिमूर्ति झलकती थी। उन्होंने अपने लेखों और रिपोर्टों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का महान कार्य किया। उनकी पत्रकारिता ने हमेशा समाज के दबे-कुचले और पीड़ित वर्ग की आवाज को बुलंद किया। उन्होंने सत्यनिष्ठा, न्यायप्रियता और जवाबदेही के साथ पत्रकारिता धर्म का निर्वहन किया। उनकी जबरदस्त लेखनी और व्यापक ज्ञान का उपयोग समाज को आपातकाल की स्थितियों से निकालने में मदद करता रहा। गोधाजी के परिवार में पत्नी त्रिशला, दो पुत्र शैलेंद्र और निशांत, पुत्रवधू प्रियंका, पुत्री सुहानी (डॉली) और दामाद सपन के अलावा दिविक और विया पौत्र-पौत्री हैं। गोधाजी के दो भाई सतीश चंद्र और तेजप्रकाश तथा शांति देवी, नीलिमा और सुरेखा भाभियाँ हैं। भागचंद जैन अत्तार, दीनदयाल पाटनी और जिनेन्द्र जैन बहनोई हैं तथा बहन चित्रा है। धीरेन्द्र, विनी, नमन और लवी भतीजा और भतीजे की बहुएं हैं। स्व. गोधाजी पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ के गए लेकिन उनके जाने के बाद जो शून्य उत्पन्न हुआ है, उसे भरना असंभव है। परंतु उनकी यादें, उनके सिद्धांत और उनकी प्रेरणाएं हमेशा हमारे साथ रहेंगी। राजेन्द्र के. गोधा के जीवन का मकसद एक ही था कि किसी की आंख में आंसू न आए और इसी पुण्य कार्य में वे जीवनभर लगे रहे। उन्होंने ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई'' रामचरित मानस की उपरोक्त पंक्तियों के अनुसार अपना जीवन व्यतीत किया। राजेन्द्र के. गोधा ने कठोर परिश्रम से समाज में अपनी अलग पहचान बनाई। उनको सामाजिक, धार्मिक और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए 400 से अधिक संस्था और संगठनों की ओर से सम्मानित किया गया था। राजेंद्र जी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में जो मिसाल कायम की, वह अद्वितीय है। उनकी लेखनी में सच्चाई, निष्पक्षता और समाज के प्रति गहरा समर्पण झलकता था। उन्होंने न केवल खबरों को पेश किया, बल्कि समाज के उन पहलुओं को उजागर किया जो अक्सर अनदेखे रह जाते थे। उनकी निर्भीक पत्रकारिता ने समाज में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव लाने में मदद की। राजेंद्र जी का जीवन और उनका कार्य हमें यह सिखाता है कि किस प्रकार एक पत्रकार को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उनकी दृढ़ निष्ठा और समर्पण ने हमें हमेशा प्रेरित किया है। उनकी उपस्थिति ने हमारे समाज को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तृतीय पुण्यतिथि पर ऐसे कर्मयोगी को एकबार पुनः अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

तृतीय पुण्य-स्मरण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से, पर दिल से दूर नहीं।
रूखसत हुए दुनिया से, लेकिन हम से दूर नहीं
हम जब उन्हें याद करते है, हमें अपने साथ होने का
अहसास दिला जाते हैं ।।

Godha

: श्रद्धावनत :

श्रीमती त्रिशला गोधा (धर्मपत्नी) शैलेन्द्र - प्रियंका (पुत्र - पुत्रवधु),
सुहानी (डोली) - सपन जी जैन (पुत्री दामाद), निशांत (पुत्र),
दिविक (पौत्र), विया (पौत्री), समन, रानी (दोहिता-दोहिती),
श्रीमती शान्ती देवी गोधा (भाभी), सतीशचन्द्र - नीलिमा,
तेज प्रकाश-सुरेखा (भाई-भाभी), भागचंद जी जैन अत्तार,
दीनदयाल जी पाटनी (बहनोई), चित्रा-जिनेन्द्र जी जैन (बहन - बहनोई),
धीरेन्द्र-विनी, नमन-लवी (भतीजा - भतीजा बहु) देवांश (पौत्र) एवं
समस्त गोधा परिवार, लदाना वाले

दैनिक समाचार जगत परिवार

(प्रातः कालीन - सायंकालीन)

वेद ज्ञान

जीवन जीना कला है...

जीवन जीना एक कला है। हम चाहें तो बहुत सुंदर जीवन जिया जा सकता है वर्ना यही जीवन हमें बोझ लगने लगता है। ऐसे में प्रश्न जीवन जीने की सही दृष्टिप्राप्त करने का है, क्योंकि जब तक यह दृष्टि हमें प्राप्त नहीं होती तब तक हमें जीने की राह नहीं मिल सकती। मनुष्य को सबसे पहले स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि वह इस धरती पर क्यों आया? आप यहां शिकायत करने, दुखड़े रोने के लिए आए हैं या फिर आनंद लेने के लिए आए हैं? इस प्रश्न का आपको जैसा उत्तर मिलगा, जीवन में आपकी वैसी दृष्टि हो जाएगी। पांडवों और कौरवों को शस्त्र देते हुए आचार्य द्रोण के मन में उनकी वैचारिक और व्यावहारिकता की परीक्षा लेने की बात सूझी। उन्होंने दुर्योधन को अपने पास बुलाया और कहा, वत्स तुम समाज में से एक अच्छे आदमी की परख करके उसे मेरे सामने उपस्थित करो। कुछ दिनों बाद दुर्योधन वापस आचार्य के पास आया और कहने लगा, मैंने कई नगरों, गांवों का भ्रमण किया, लेकिन मझे कहीं कोई अच्छा आदमी नहीं मिला। फिर आचार्य ने युधिष्ठिर को अपने पास बुलाया और कहा, वत्स इस पृथ्वी पर से कोई बुरा आदमी तलाश कर ला दो। काफी दिनों के बाद युधिष्ठिर आचार्य के पास आए। आचार्य ने पूछा, क्यों, किसी बुरे आदमी को साथ लाए हो? युधिष्ठिर ने कहा, गुरु जी मुझे कोई बुरा आदमी मिला ही नहीं। सभी शिष्यों ने आचार्य से पूछा, गुरुवर ऐसा क्यों हुआ कि दुर्योधन को अच्छा आदमी नहीं मिला और युधिष्ठिर को बुरा आदमी नहीं मिला। आचार्य बोले, जो व्यक्ति जैसा होता है उसे सारे लोग अपने जैसे दिखाई पड़ते हैं। इसलिए दुर्योधन को कोई अच्छा व्यक्ति नहीं मिला और युधिष्ठिर को कोई बुरा आदमी न मिल सका। असल में, दो ही प्रकार के मनुष्य होते हैं। एक वे जिनकी दृष्टि बहुत संकुचित होती है, जबकि दूसरे वे जिनकी दृष्टि उदार होती है। संकुचित दृष्टि वाले बहुत थोड़ा देख पाते हैं, जबकि उदार दृष्टि वाले वस्तु या व्यक्ति का समग्रता से निरीक्षण करते हैं। यही वजह है कि दृष्टिहीन धृतराष्ट्र का पूरा जीवन अपने परिवार के माया-मोह में सिमट गया, दूसरी तरफ सूरदास ने दृष्टिहीन होने के बावजूद अपने जीवन को आदर्श बनाया। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जहां विस्तार है, वहां जीवन है।

संपादकीय

दुर्घटनाओं को रोकना अब भी चुनौती

पिछले कई वर्षों से रेल सेवाओं को सुंदर, सुरक्षित और सुविधानजक बनाने के दावे बढ़-चढ़ कर किए जाते रहे हैं, मगर रेल हादसों को रोकना अब भी चुनौती है। वर्ष भर पहले ही ओड़ीशा के बालासोर में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गई थीं, जिसमें दो सौ नब्बे से अधिक लोग मारे गए। अब पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। इसमें करीब पंद्रह लोगों के मरने और साठ से

अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। पीछे के जिन डिब्बों में टक्कर लगी और वे पटरी से उतर गए उनमें से दो सामान और गार्ड के डिब्बे थे। अगर उनमें भी मुसाफिर रहे होते तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि हादसा कितना बड़ा होता। इस दुर्घटना के पीछे स्वचालित सिग्नल प्रणाली का खराब होना कारण बताया जा रहा है। जैसा कि हर दुर्घटना के बाद मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की जाती है, वह औपचारिकता निभा दी गई है, मगर असली वजह का पता नहीं चल पाया है। जिस रेल लाइन पर यह हादसा हुआ, वह पूर्वोत्तर का सबसे व्यस्त मार्ग है। कहा जा रहा है कि इस मार्ग पर अभी टक्कररोधी उपकरण कवच नहीं लगा है, वरना यह हादसा न होने पाता। हर रेल हादसे के बाद नियम-कायदों के उल्लंघन, तकनीकी खामियों आदि को लेकर मंथन चलता रहता है और आखिरकार उस पर पर्दा डाल कर किनारे कर दिया जाता है। अगर रेल विभाग सचमुच रेल दुर्घटनाएं रोकने को लेकर गंभीर होता, तो ऐसी मामूली लापरवाहियों और तकनीकी खामियों की वजह से ऐसे बड़े हादसे न होने पाते। ट्रेनों में टक्कररोधी उपकरण लगाने का प्रस्ताव करीब पच्चीस साल पुराना है। वर्तमान सरकार ने इसके लिए कवच नामक उपकरण विकसित किया और बढ़-चढ़ कर दावा किया गया कि इस उपकरण से रेल हादसे पूरी तरह रोके जा सकेंगे। मगर हकीकत यह है कि अभी तक केवल डेढ़ हजार किलोमीटर रास्ते में इस उपकरण को लगाया जा सका है। हालांकि रेल हादसे केवल गाड़ियों के टकराने से नहीं होते। कभी रेल की पटरियां उखड़ जाने से डिब्बे उतर जाते हैं, तो कभी गलत पटरी पर गाड़ियों को रवाना कर दिया जाता है, कभी सिग्नल प्रणाली ठीक न होने से गाड़ियां स्टेशन छोड़ कर आगे बढ़ जाती हैं। ज्यादातर हादसे व्यस्त मार्गों और तेज रफ्तार गाड़ियों में ही देखे जाते हैं। विचित्र है कि देश में बुलेट ट्रेन चलाने का नक्शा खींचा जा रहा है, वंदेभारत जैसी तेज रफ्तार गाड़ियां बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, मगर पटरियों को सुगम बनाने के लिए जो जरूरी संसाधन चाहिए, वे नहीं जुटाए जा रहे। असुरक्षित पटरियों और कमजोर संचालन प्रणाली के जरिए मुसाफिरों को सुरक्षित सफर मुहैया कराना चुनौती ही रहेगा। लगातार हादसों के बाद जिस तरह रेलमंत्री के कामकाज के तरीके पर गंभीर सवाल उठे थे, अपेक्षा की जाती थी कि उसमें सुधार किया जाएगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत भी बदले तिब्बत नीति

अमेरिकी संसद द्वारा पारित तिब्बत और चीन से जुड़ा नया विधेयक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तिब्बत के मुद्दे को एक नई एवं सार्थक दिशा दे सकता है। 'तिब्बत-चीन विवाद को सुलझाने के लिए प्रोत्साहन संबंधी कानून (2024)' पर अब केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने शेष हैं। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद इस पर पूरी तरह अमल करना भावी अमेरिकी प्रशासन के लिए कानूनी बाध्यता बन जाएगा। यह कानून भले ही तिब्बत के निर्वासित शासक दलाई लामा और चीन सरकार को बातचीत के जरिये परस्पर विवाद सुलझाने में सहयोग करने वाले एक दोस्ताना कदम जैसा लगता हो, लेकिन इसकी भाषा से समझ आता है कि यह तिब्बत को 73 साल से चले आ रहे चीनी उपनिवेशवादी कब्जे से मुक्ति दिलाने के अभियान की घोषणा है। अमेरिका की इस नई पहल में भारत जैसे उन एशियाई देशों के लिए भी नई संभावनाओं के द्वार खुलने के आसार बनते दिख रहे हैं, जिनकी राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वभौमिक हितों पर तिब्बत पर चीनी अवैध कब्जे के बाद खतरे बढ़े हैं। अमेरिका की राजनीति में भले ही रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोफाड़ हों, मगर उक्त कानून पर दोनों दलों में सर्वसम्मति का भाव है और इसीलिए दोनों दलों के सांसद दलाई लामा से मिलने आ रहे हैं। इस कानून में तिब्बत को लेकर बेहद आक्रामक नीति अपनाने वाले राष्ट्रपति शी चिनफिंग के रवैये को चुनौती दी गई है। तिब्बत को चीन का 'अविभाज्य अंग' बताने, उससे जुड़े हर सवाल को चीन का 'आंतरिक' विषय कहने, तिब्बत की चर्चा मात्र पर आंखें तरेरने वाले एवं तिब्बत और अपनी 'वन-चाइना' पालिसी को लेकर अति आग्रही चिनफिंग की इससे जुड़ी नीतियों को नए कानून में अमान्य ठहराया गया है। इसमें चीन के हर उस दावे को झूठा घोषित किया गया है, जिन्हें पिछले 40 साल से चीन सरकार दलाई लामा के साथ वार्ता की मूलभूत शर्तों के रूप में पेश करती आई है। इसमें स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है कि तिब्बत एक कब्जाया हुआ देश है और वह इतिहास में कभी चीन का हिस्सा नहीं रहा। चीन सरकार तिब्बत की निर्वासित सरकार के साथ बातचीत में तिब्बत की परिभाषा को मात्र 'तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र' (टार) तक सीमित मानती है, जबकि अमेरिकी कानून में 'तिब्बत' के दायरे में उसके खम एवं आम्दो प्रांतों के उन हिस्सों को भी शामिल किया गया है, जिन्हें तिब्बत को कब्जाने के बाद उन्हें तिब्बत से काटकर यून्नान, सिचुआन, चिंघाई और गांसू जैसी सीमावर्ती चीनी प्रांतों में मिला दिया गया। नए कानून में धर्मशाला-बीजिंग की प्रस्तावित शांतिवार्ताओं में तिब्बत की ओर से न केवल दलाई लामा और उनके प्रतिनिधियों को भाग लेने का अधिकारी माना गया है, बल्कि अब धर्मशाला में तिब्बती जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी इसमें शामिल करके केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को 'तिब्बती सरकार' जैसी परोक्ष मान्यता भी दी गई है। दलाई लामा के अगले अवतार को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का क्षेत्राधिकार घोषित करने पर तुले हुए चिनफिंग के जले पर नमक छिड़कते हुए उक्त कानून में स्पष्ट कहा गया है कि दलाई लामा या अन्य अवतारी लामाओं की खोज करने और उनकी नियुक्ति तथा शिक्षा-दीक्षा का एकमात्र अधिकार दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का है।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की बैठक

समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों के लिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन सहित कई समाजोपयोगी गतिविधियों का करेगी आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा गत 30 वर्षों से धार्मिक गतिविधियों के साथ मानव सेवार्थ एवं सामाजिक सेवा कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में चल रहे भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के दौरान समाज के विवाह योग्य युवक - युवतियों के लिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन सहित कई समाजोपयोगी गतिविधियों का आयोजन करेगी। यह निर्णय भट्टारक जी की नसियां स्थित बडजात्या सभागार में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की आयोजित विशाल सभा में लिया गया। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में आयोजित इस मीटिंग का शुभारंभ विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से किया गया।ततत्पश्चात सुभाष बज द्वारा 'ओम मंगलम ओंकार मंगलम.....' मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। परिचय सत्र के बाद अपने स्वागत उदबोधन में प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन द्वारा की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सभी जोनो को अपने अधीनस्थ युवा एवं महिला संगठनों के माध्यम से जोनवार धार्मिक, सामाजिक व मानव सेवार्थ गतिविधियां करने का आव्हान किया गया। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जयपुर महानगर में 150 से अधिक युवा एवं महिला संगठन, महिला मण्डल, जेएसजी संगिनी फारम आदि युवा महासभा के अधीनस्थ धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियां कर रहे हैं। जैन के मुताबिक मीटिंग में युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थित राजस्थान प्रदेश कार्यालय पर जैन सूचना एवं सहायता केन्द्र शुरू करने, जुलाई माह में दो दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन करने, सम्भाग स्तर पर धार्मिक भजन गायन प्रतियोगिता आयोजित करने, समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने, भाद्रपद मास में सामूहिक पूजा का आयोजन, दशलक्षण महापर्व के दौरान मंदिरों में होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रतियोगिता वर्ग के कार्यक्रमों को पुरस्कृत करने, सुगंध दशमी पर जैन मंदिरों में सजने वाली झांकियों को पुरस्कृत करने, अतिशय क्षेत्र पदमपुरा एवं जहाजपुर की जयपुर से साईकिल यात्रा आयोजित करने, व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रमों का आयोजन करने, नवम्बर माह में इण्डौर गेम्स आयोजित करने सहित संगठन की जयपुर शाखा की नई टीम गठित करने तथा जिला एवं तहसील स्तर पर संगठन का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर राकेश गोधा, मनीष बैद,पवन पाण्डया, भारतभूषण जैन, चेतन जैन निमोडिया, मनीष सोगानी, विनित चांदवाड, वैभव जैन, तरुण जैन, मुकेश कासलीवाल, सुनील अजमेरा आदि ने अपने विचार प्रकट करते हुए कई समाजोपयोगी योजनाओं के लिए सुझाव दिये। जैन के मुताबिक युवा महासभा एवं विनित जैन क्रियेशन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार, 20 जून को दोपहर 1.00 बजे से सायंकाल 5.00 बजे तक टौक रोड पर अपेक्स माल के ब्लेक कोड रेस्तरां में महिलाओं के लिए ओपन माईक लीग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जैन के मुताबिक अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार, 21 जून को प्रातः 5.30 बजे से प्रातः 8.30 बजे तक मानसरोवर के सिटी पार्क में पिंक सिटी योगा एवं परिण्डा तथा चुग्गा दाना घर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

शासकीय हाईस्कूल निटहरा में मनाया गया प्रवेशोत्सव

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। शासकीय हाईस्कूल ग्राम निटहरा में नवीन प्रवेशोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। निटहरा के शासकीय हाई स्कूल में नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को चंदन टीका, माल्यार्पण एवं निःशुल्क पुस्तक वितरण कर मनाया गया । सर्वप्रथम प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तथा उद्बोधन में शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान बनने हेतु प्रेरित किया । उद्बोधन की श्रृंखला में माध्यमिक शिक्षक कृष्णा राजपूत द्वारा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से विहीन मानव पशुवत है। हमें हरहाल में अध्ययन करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार एवं प्रसाद वितरण किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक भीकम सिंह सैंगर द्वारा आभार प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा, वरिष्ठ शिक्षक भीकम सिंह सैंगर, अशोक शर्मा, चौबेसिंह, रामकृष्ण यादव, रामावतार धाकड़, नमोकार जैन, सत्या सिंह सिकरवार, काजल शाक्य, कृष्णा राजपूत, अर्चना राजपूत, नीतु पिप्पल, अन्य कर्मचारीगण एवं नवप्रवेशी छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

रवीन्द्र जैन को मिलेगा राज्य स्तरीय मीडिया अवार्ड

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। जैसवाल जैन समाज के गौरव वरिष्ठ समाजसेवी रविंद्र जैन भोपाल को स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित भारतीय पत्रकारिता महोत्सव कार्यक्रम में 23 जून को इंदौर में मीडिया अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। ज्ञात रहे कि लोकप्रिय चैनल ₹सबकी खबर₹ के चैनल हेड रवीन्द्र जैन को इस वर्ष राज्य स्तरीय मीडिया अवार्ड के लिए चुना गया है। यह अवार्ड 23 जून, रविवार को इंदौर में आयोजित ''भारतीय पत्रकारिता महोत्सव'' में दिया जाएगा। इसके लिए रविन्द्र जैन ने चयन समिति और स्टेट प्रेस क्लब का आभार व्यक्त किया हैं ज्ञात रहे की स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश प्रतिवर्ष पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले साथियों को मीडिया अवार्ड से सम्मानित करता है यह अवार्ड विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान बेहतरीन और जिम्मेदारी पूर्वक राजनीतिक रिपोर्टिंग करने के लिए रविंद्र जैन को दिया जा रहा है आयोजित समारोह में देश भर के मीडिया कर्मी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम 21 जून से शुरू होकर 23 जून तक चलेगा जिसमें वैचारिक सत्र के अलावा पत्रकारिता की पाठशाला ,प्रेस क्लब के अध्यक्षों की शिखर बैठक सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न होंगे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की बीट द हीट पूल पार्टी संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की बीट द हीट तर्ज पर पूल पार्टी आज कानोता बाग में बड़े हर्ष उल्लास के साथ संपन्न की गई । पार्टी में सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका के अनुसार लगभग 12:00 बजे कानोता बाग पूल के लिए बस को आदीश मेडिकल स्टोर से रवाना किया गया लगभग 60 सदस्यों ने इस पार्टी का आनंद उठाया। वहां पहुंचते ही कोषाध्यक्ष उर्मिला के निर्देशन में सभी सदस्यों को रंगीन चश्मा पहनकर थिरकते हुए एंट्री करवाई गई। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल ने शानदार मजाकिया अंदाज में किया और लोगों को मनोरंजन करवाया। कार्यक्रम का प्रारंभ बबिता जैन के दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया तत्पश्चात कानोता बाग में पुल की तर्ज पर शानदार हाउजी खिलाई गई जिसके गिफ्ट प्रायोजक मीना चांदवाड़ राज चौधरी रहे । खेल में सम्पूर्ण सहयोग प्रदान कर शीला अलका एवं बबिता ने हाऊजी को और भी मनोरंजक बना दिया। चाय कॉफी सोडा शिकंजी और लजीज नाश्ते के साथ-साथ बिंदी लगाओ सखी सजाओ की तर्ज पर आधारित शानदार गेम उर्मिला सुनीता बबीता और अर्चना के सहयोग से खिलाया गया। जून के महीने में जिन सदस्यों की बर्थडे एवं एनिवर्सरी आती है उन सदस्यों से केक कटवा कर सभी ने उनको शुभकामनाएं प्रेषित की । अनीता पुष्पा बीना शाह चित्रा आदि सभी सदस्यों ने नए सेशन का रजिस्ट्रेशन किया एवं नए सेशन की फीस जमा की तत्पश्चात चिलचिलाती गर्मी में कुल कुल पूल का आनंद लिया। स्वादिष्ट लजीज भोजन और शानदार कानोता बाग की वजह से सभी सदस्यों को भरपूर आनंद आया। तत्पश्चात लकी ड्रॉ निकालकर प्रथम राज चौधरी द्वितीय अनीता दीवान तृतीय सुनीता गंगवाल को पुरस्कृत किया गया। सभी सदस्यों ने आज की इस भरपूर मनोरंजक कार्यक्रम की सफलता के लिए अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका को बधाइयां प्रेषित की।

आगरा में होगा उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का मंगल चातुर्मास 2024

मैनपुरी के घिरोर में उपाध्याय श्री ने दी स्वीकृति

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के दिगंबर जैन समाज को इस चातुर्मास 2024 में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का सानिध्य प्राप्त होने जा रहा है। उपाध्याय श्री के घिरोर में मंगल प्रवास पर आगरा से गए हजारों श्रद्धालुओं के अनुरोध को स्वीकारते हुए उन्होंने आगरा के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमला नगर में अपने मंगल चातुर्मास 2024 की स्वीकृति दे दी है। आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष एकाद शी वानी देवशयनी एकादशी 17 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो रहे हैं, जो कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादसी 12 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान जैन संत का चातुर्मास प्रवास लपेता है, जिसकी जैन समाज में विशेष महत्ता है। इस वर्ष 17 जुलाई से प्रारंभ हो रहे चातुर्मास में आगरा के जैन समाज को मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर ससंघ का सानिध्य प्राप्त होने जा रहा है। उन्होंने आगरा दिगंबर जैन परिसर और ग्रेटर कमला नगर के जैन समाज को अपने मंगल प्रवास की स्वीकृति दे दी है। इसके लिए आगरा के सकल जैन समाज के करीब दो हजार श्रद्धालु 10 बसों में सवार होकर मैनपुरी के घिरोर स्थित श्री मुनिसुब्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे और उपाध्याय संघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर अनुमति प्राप्त की जिसकी स्वीकृति उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ने प्रदान कर दी है। उपाध्याय श्री ससंघ 10 जुलाई तक घिरोर जैन मदिर में अपना समय व्यतीत करेंगे। आगरा जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता शुभम जैन ने बताया कि उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार मैनपुरी के घिरोर से 11 जुलाई को सुबह 5:00 बजे आगरा की ओर होगा जहां उनका मंगल प्रवेश संभावित 21 जुलाई तक होगो और चातुर्मास मंगल कलश स्थापना 28 जुलाई को होगी। इस अवसर पर आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन, राकेश जैन पदेर्वाले, शिखरचंद जैन सिंघई, रोहित जैन,यशपाल जैन,शैलेंद्र जैन, मुख्म संयोजक मनोज बाकलीवाल, सुशील जैन,पवन जैन,सुरेन्द्र पाड़या, अनिल जैन,नरेश जैन,अंकेश जैन, शुभम जैन,अंकुश जैन,कुमार मंगलम जैन,अरूण जैन,रजत जैन,पंकज जैन,राजू गोधा,रविंद्र कुमार जैन, विजय जैन,हेमा जैन,राजकुमार गुड्डू समस्त सेक्टर 7, सेक्टर 4, कलाकुंज, अवधपुरी,कमला नगर, मोती कटरा, छीपीटोला,बल्केश्वर,ट्रांसयमुना कॉलोनी, की समस्त जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

-रिपोर्ट : शुभम जैन

निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 5000व्यक्तियों को छाछ पिलाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेष्ठ मास की भीषण गर्मी में चलने वाली लू के प्रकोप से त्रस्त- प्यासे राहगीरों के लिये ठंडे-मीठे जल-प्रबंध मिल जाए तो राहगीर तृप्त हो जाता है, ऐसा महसूस होता है जैसे शरीर में नव ऊर्जा का संचार हो गया हो। प्यासे को अमृत स्वरूप जल पिलाना बहुत ही पुण्य माना जाता है इसी उद्देश्य से 18 जून 2024 मंगलवार को निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आप के सहयोग से गांधीपथ रोड पश्चिम जयपुर में 5000 राहगीरों के लिए छाछ पिलानें का एक पुनीत कार्य किया है जिससे राहगीरो को कुछ राहत मिली। आप ने भी इस अमृत स्वरुप छाछ वितरण मे अपना सहयोग कर पुण्य कार्य का हिस्सा बने उस के लिए संस्थान आप का आभार प्रकट करती है।

बच्चों को पिलायी लस्सी

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी ने भयंकर गर्मी से राहत दिलाने के लिए कई बस्तियों में जाकर बच्चों को लस्सी वितरित की। अध्यक्ष सुषमा ने बताया इससे पहले हमने नंगे पैर चलने वाले बच्चों को भी चप्पलें पहनवायी थीं। प्राणिक हीलिंग की चेयरपर्सन दीप्ति जैन ने बताया हम शनिवार इतवार को इन बच्चों को इकट्ठा करके अपने संस्कार से जुड़ी बातें सिखाते हैं। इस अवसर पर डॉ उषा, प्रमिला, आभा, राजस्वी, पूनम, अनिल आदि ने बच्चों को कुछ व्यायाम भी सिखाए।

जवाहर नगर में मंदिर स्थापना दिवस गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में भव्यता के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, जवाहर नगर से. 7, जयपुर में विराजमान प. पू. भारत गौरव गणिनी गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में मंदिर जी का स्थापना दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। चौबीस पांडुकशिला पर चौबीस तीर्थंकर भगवान को स्थापित कर गुरूमाँ के मुखारविंद से शांतिधारा सानंद सम्पन्न करायी गई। तत्पश्चात भक्ति भावों के साथ प्रभु चरणों में अर्घ्य समर्पित किए। प्रवचन सभा के आयोजन के दौरान मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई। स्थापना दिवस के उत्साह को वृद्धिंगत करते हुए पूज्य गुरुमाँ ने भक्तों को शुभाशीष देते हुए कहा कि - मंदिर का जन्म दिवस मनाना अपने पूर्वजों के किए हुए अथक परिश्रम एवं पुण्य की अनुमोदना कर उनके उपकारों को गाने का दिन है। यही दिन हम सबके लिए सौभाग्य का दिन है। इस पुण्य की सराहना देवता भी किया करते है। मंदिर जी का स्थापना दिवस मनाकर अपना जन्म भी सार्थक करें। - जीवन में धर्म की अपने अंतस में स्थापना करें।

जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान का मनाया जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद चोबीस तीर्थंकरों, पंचपरमेष्ठी, एवं पूवार्चार्यों कि पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के सातवे तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान का जयकारों के भक्ति भाव से जन्म एवं तप कल्याणक का अर्घ्य अर्पित कर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूरचंद मांदी वाले, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,महावीर जैन लदाना,सुरेश मांदी, शिखर मोदी,सुरेश डेठानी, धर्मचंद पीपलू, कन्हैयालाल सिंघल,सीताराम कलवाड़ा,रतन नला,पारस नला, टीकम गिंदोडी, अनिल कुमार कठमाना, अशोक कागला पारस मोदी , राजकुमार नला,विनोद मोदी, त्रिलोक पीपलू, सुनील मोदी,राजकुमार नला ,कमलेश चोधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ एवं श्री माधव महिला विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर दिनांक 22-मई-2024 से शिव विहार मोहरू नगर, मानसरोवर में बहुत ही सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। श्री माधव महिला विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया सिन्हा द्वारा इसे निशुल्क संचालित किया जा रहा है। शिविर संयोजक महेश मंगल ने बताया कि इस शिविर में 95 विद्यार्थी विभिन्न कोर्स यथा डांस, मेहंदी, ब्यूटीशियन, सिलाई और आर्ट एंड क्राफ्ट में निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उपरोक्त शिविर का समापन रविन्द्र मंच पर जून के अंत में किया जाएगा जिसमे उप मुख्यमंत्री आदरणीय राजकुमारी दिया कुमारी सभी बच्चों को प्रोत्साहित करेंगी। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन और उपसचिव तरुण जैन ने इस कैंप में भाग ले रहे सभी बच्चों को बधाई प्रेषित की।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

कभी-कभी वक्त के साथ, सब ठीक नहीं..
बल्कि सब खत्म हो जाता है...

जीवन पल-पल मिट रहा है। आयु का तेल देह के दीये में जलकर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। अब तुम अपने जीवन के कल्याण और निर्माण के लिए, कोई ठोस साधना करो ताकि मृत्यु को सुखद, सार्थक और खुशनुमा बनाया जा सके। देह में बैठे पंछी ने पंख फैला दिए हैं। प्राणों का पंछी उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही उड़ान भर लेगा और फिर तुम हाथ मलते रह जाओगे। प्राण पखेरू उड़े, उससे पहले अपने चरित्र को ऊंचा उठा लो, ताकि तुम्हारा जीवन धन्य हो जाए।

अब तुम्हारे जीने की शैली कुछ इस प्रकार की हो जाए...

अपने मन को प्रभु के चरणों में लगा कर जियो और अपनी नजरों को अपने चरणों में जमा कर जियो। हर पल अपने मन पर निगरानी रखो, कि कहीं सदाचरण से स्खलित ना हो जाए। हर दिन को आखिरी दिन मान कर जियो। हर रात को अंतिम रात। हर अगला दिन पुनर्जन्म है।

धार्मिक होने के लिए अंतिम दिन की प्रतीक्षा ना करें.. आज अभी इसी वक्त शुभ कार्य कर डालें...! **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com